सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 103 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 18 मई, 2022

मूल्य ₹ 3/-

एक मेज, एक कुर्सी, एक कटोरा फल और एक वायलन, भला खुश रहने के लिए और क्या चाहिए?

-अल्बर्ट आइंस्टीन

रेडक्रास सोसाइटी की योजनाओं के... 2 | पीएम मोदी दे गए योगी के मंत्रियों... 3 | भाजपा सरकार की गलत नीतियों... 7

राजीव गांधी हत्याकांड पर 'सुप्रीम' फैसला

दोषी पेरारिवलन की रिहाई का आदेश

» 31 साल से बंद है जेल में, 6 अन्य दोषियों की भी बढ़ी उम्मीद

» दया याचिका पर सुनवाई नहीं होने पर पेरारिवलन पहुंचा था शीर्ष अदालत

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के दोषियों में से एक एजी पेरारिवलन को सुप्रीम कोर्ट ने आज रिहा करने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने उम्रकैद की सजा काट रहे पेरारिवलन की समय पूर्व रिहाई की मांग करने वाली याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। इस फैसले के बाद नलिनी श्रीहरन, मरुगन, एक श्रीलंकाई नागरिक सहित मामले में छह अन्य दोषियों की रिहाई की उम्मीद भी बढ़ गयी है।

पेरारिवलन ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा था कि तमिलनाडु सरकार ने उसे रिहा करने का फैसला लिया था लेकिन राज्यपाल ने फाइल को काफी समय तक अपने पास रखने के बाद राष्ट्रपति को भेज दिया था। यह संविधान के खिलाफ है। 11 मई को हुई सुनवाई में केंद्र ने पेरारिवलन की दया याचिका राष्ट्रपति को भेजने के तमिलनाडु के राज्यपाल के फैसले का बचाव किया था। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एल नागेश्वर राव, जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस ए एस बोपन्ना की पीठ को बताया था कि केंद्रीय कानून के तहत दोषी ठहराए गए शख्स की सजा में छूट, माफी और दया याचिका के संबंध में याचिका पर केवल राष्ट्रपति ही फैसला कर सकते हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया था कि अगर इस दलील को स्वीकार कर लिया जाता है तो राज्यपालों की ओर से दी गई अब तक की छूट अमान्य हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि अगर राज्यपाल पेरारिवलन के मुद्दे पर राज्य मंत्रिमंडल की सिफारिश को मानने को तैयार नहीं हैं तो उन्हें फाइल को पुनर्विचार के लिए वापस मंत्रिमंडल में भेज देना चाहिए था। गौरतलब है कि राजीव गांधी हत्याकांड मामले में सात लोगों को दोषी ठहराया गया था। सभी दोषियों को मौत की सजा सुनाई गई थी लेकिन साल 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने इसे आजीवन कारावास में बदल दिया था। पेरारिवलन हत्याकांड के समय 19 साल का था। वह 31 सालों से जेल में बंद है।

पहले ही मृत्युदंड को उम्रकैद में बदल चुका है सुप्रीम कोर्ट

21 मई 1991 को हुई थी पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या

21 मई 1991 को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में हत्या हुई थी और 11 जून 1991 को पेरारिवलन को गिरफ्तार किया गया था। पेरारिवलन घटना के समय 19 साल का था।

जयललिता सरकार ने की थी रिहाई की सिफारिश

2016 और 2018 में जे. जयललिता और एके पलानीसामी की सरकार ने दोषियों की रिहाई की सिफारिश की थी मगर बाद के राज्यपालों ने इसका पालन नहीं किया और अंत में इसे राष्ट्रपति के पास भेज दिया। लंबे समय तक दया याचिका पर फैसला नहीं होने की वजह से दोषियों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

गुजरात विधान सभा चुनाव से पहले हार्दिक ने झटका कांग्रेस का 'हाथ'

» पार्टी से दिया इस्तीफा सोनिया को लिखा पत्र राहुल पर साधा निशाना

» कहा, मुद्दों को लेकर गंभीर नहीं शीर्ष नेतृत्व

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात में विधान सभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। बड़े पाटीदार नेता हार्दिक पटेल ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर राहुल गांधी का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधा है। हार्दिक ने कहा कि जब देश संकट में था, कांग्रेस को नेतृत्व की जरूरत थी तब हमारे नेता विदेश में थे।

पत्र में हार्दिक पटेल ने कहा, अयोध्या में प्रभु राम का मंदिर हो, नागरिकता कानून का मुद्दा हो, जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाना हो या जीएसटी लागू करने का फैसला, देश इनका समाधान चाहता था, लेकिन कांग्रेस इसमें सिर्फ बाधा बनने का काम करती रही। वह मुद्दों को लेकर गंभीर नहीं है। आज मैं बड़ी हिम्मत से पार्टी और पद से इस्तीफा देता रहा हूं। मुझे विश्वास है कि इस निर्णय का स्वागत मेरा हर साथी और गुजरात की जनता करेगी।

ज्ञानवापी मामले पर बसपा प्रमुख मायावती का बड़ा हमला

धार्मिक स्थलों को चुन-चुनकर निशाना बना रही भाजपा, बिगड़ सकते हैं हालात

» महंगाई, बेरोजगारी से जनता का ध्यान भटकाने की हो रही है कोशिश

» साजिशन भड़कायी जा रही लोगों की धार्मिक भावनाएं

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के सर्वे को लेकर आज बसपा प्रमुख मायावती ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि भाजपा चुन-चुनकर धार्मिक स्थलों को निशाना बना रही है। इससे देश का माहौल बिगड़ सकता है।

मायावती ने कहा कि देश में निरंतर बढ़ रही गरीबी, बेरोजगारी व आसमान छू रही महंगाई आदि से त्रस्त जनता का ध्यान बांटने के लिए भाजपा व इनके सहयोगी संगठन चुन-चुनकर व खासकर यहां के धार्मिक स्थलों को निशाना बना रहे हैं। इससे यहां कभी भी हालात बिगड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बरसों बाद ज्ञानवापी, मथुरा, ताजमहल व अन्य और स्कूलों के मामलों की भी आड़ में जिस प्रकार से षड्यंत्र के तहत लोगों की धार्मिक भावनाओं को भड़काया जा रहा है इससे देश मजबूत नहीं बल्कि कमजोर ही होगा।

योगी कैबिनेट का फैसला, अब नए मदरसों को नहीं मिलेगा अनुदान

» अनुदान सूची पर लिए जाने संबंधी नीति को समाप्त करने के प्रस्ताव पर मुहर

» एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं में आसान होगा भुगतान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार अब किसी भी नए मदरसे को अनुदान नहीं देगी। योगी कैबिनेट ने मंगलवार को मदरसों को अनुदान सूची पर लिए जाने संबंधी नीति को समाप्त किए जाने का प्रस्ताव स्वीकृत कर लिया। अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ मंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि अरबी-फारसी मदरसों में से वर्ष 2003 तक के आलिया (10वीं) स्तर के स्थायी मान्यता प्राप्त मदरसों को अनुदान सूची पर लिए जाने संबंधी नीति को समाप्त किए जाने का प्रस्ताव कैबिनेट में रखा गया था। इस प्रस्ताव के अनुमोदित होने के बाद अब नए किसी भी मदरसे को अनुदान सूची पर नहीं लिया जाएगा।

अखिलेश यादव की सरकार में इस सूची में शामिल 146 में से सौ मदरसों को शामिल कर लिया गया था और उनका अनुदान भी शुरू कर दिया गया। बाकी 46 मदरसों का प्रकरण अभी चल रहा था। मंत्री के मुताबिक ये मदरसे मानक ही पूरा नहीं कर रहे थे। अब कैबिनेट में इस नीति को ही समाप्त कर दिया गया है तो नए किसी भी मदरसे को अनुदान की सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। वहीं कैबिनेट ने बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे परियोजना में भुगतान की प्रक्रिया को आसान बनाने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके लिए कोविड के मद्देनजर शेड्यूल-एच के प्रावधानों में 31 अक्टूबर तक ढील दी गई है। कोविड महामारी के मद्देनजर ठेकेदारों के सामने कैशफ्लो की समस्या के समाधान के लिए यह कदम उठाया गया है। यूपीडा और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के निर्माणकर्ताओं के बीच अनुबंध के शेड्यूल-एच (कॉन्ट्रैक्ट प्राइज वेटेज) के शिथिलीकरण को 31 अक्टूबर तक बढ़ाया गया है। इससे काम की मात्रा कम होने पर भी भुगतान हो सकेगा।

सिविल अस्पताल में आठ मंजिला नए भवन बनने का रास्ता साफ

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल में ओपीडी और वार्ड के साथ ही पार्किंग की समस्या से निजात मिलने वाली है। पुरानी ओपीडी के कमरों को ढहाने के लिए प्रदेश की कैबिनेट बैठक में मंजूरी दे दी गई है। सिविल अस्पताल प्रशासन ने ओल्ड ओपीडी के कमरा नंबर 13 से लेकर इलाहाबाद बैंक तक के भवन को ढहाने की अनुमति मांगी थी। इसके स्थान पर आठ मंजिला भवन तैयार करने की योजना है।

बदले फॉर्मूले पर परीक्षा फल तैयार करने को अनुमोदन

कैबिनेट ने कोविड काल के दौरान यूपी बोर्ड की 10वीं व 12वीं की परीक्षाएं निरस्त होने के बाद बदले फॉर्मूले से परीक्षाफल तैयार करने की प्रक्रिया को अनुमोदित कर दिया है। इस प्रक्रिया का शासनादेश वर्ष 2021 में मुख्यमंत्री के सैद्धांतिक अनुमोदन के बाद जारी किया गया था। शासनादेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष 2021 की 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा में पंजीकृत छात्रों के परीक्षाफल को तैयार करने व परीक्षाफल में अंकों को आगणित की जाने वाली प्रक्रिया व आधारों के संबंध में जारी किया गया था। उस समय कैबिनेट से अनुमोदन के लिए समय नहीं था इसलिए शासनादेश का अब कार्योत्तर अनुमोदन लिया गया है।

रेडक्रास सोसाइटी की योजनाओं के लिए बजट दे केंद्र: राज्यपाल

» नई दिल्ली की वार्षिक बैठक में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने ऑनलाइन की शिरकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदेश की जनसंख्या को देखते हुए कहा कि यहां रेडक्रास सोसाइटी की योजनाओं के समुचित संचालन के लिए केंद्र से समुचित बजट की जरूरत है। उन्होंने विभिन्न विभागों के साथ मिलकर यूपी में टीबी उन्मूलन, पोषण मिशन के कार्य, रक्त संग्रहण और प्लाज्मा संग्रहण की दिशा में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल राजभवन स्थित प्रज्ञाकक्ष, लखनऊ से इंडियन रेडक्रास सोसाइटी नई दिल्ली की वार्षिक बैठक में वर्चुअली मौजूद रहीं। उन्होंने प्रदेश में रेडक्रास सोसाइटी के ब्लड बैंक की आवश्यकता को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने टीबी उन्मूलन के लिए किये जा रहे कार्यों का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि टीबी रोगियों को उनके स्वस्थ होने, पोषण और चिकित्सा की समुचित देखभाल के लिए सक्षम संस्थाओं, इकाइयों व अधिकारियों की ओर से गोद लेने की परंपरा प्रदेश से क्षय रोग उन्मूलन तक जारी रहेगी। बैठक में इंडियन रेडक्रास सोसाइटी, नई दिल्ली के अध्यक्ष राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के तौर पर अध्यक्षता कर रहे केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री डा. मनसुख मंडाविया ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल की ओर से क्षय रोग उन्मूलन के लिए प्रदेश में चलाए जा रहे अभियान को देश के लिए अनुकरणीय बताया। उन्होंने कहा कि उनका यह कार्य प्रेरणा देता है कि राज्यपाल जनभागीदारी और जनसहयोग से एक बड़े अभियान का सफल संचालन कर सकते हैं। इस दौरान बैठक में सभी राज्यों के राज्यपाल, उनके प्रतिनिधि, इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के अतिथि और अधिकारी मौजूद थे।

पूर्व विधायक रूबी प्रसाद की बढ़ी मुश्किलें, जाति प्रमाण पत्र निरस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंदौली। सोनभद्र के दुद्धी विधान सभा (सुरक्षित) से पूर्व विधायक रहीं रूबी प्रसाद का जाति प्रमाण पत्र निरस्त कर दिया गया है। अनुसूचित जाति / जनजाति आयोग की ओर से गठित कमेटी ने आज अपना फैसला देते हुए इनके प्रमाण पत्र को फर्जी करार दिया। 2012 में राम नरेश पासवान की अपील पर इस मामले की जांच शुरू की गई। इस मामले में याचिकाकर्ता और राज्य अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष राम नरेश पासवान ने बताया कि रूबी प्रसाद फर्जी प्रमाणपत्र के सहारे दुद्धी से विधायक बनी थीं। फर्जी तरीके से विधायक बनने का प्रकरण उस वक्त संज्ञान में आया था, जिसकी जांच भी की गई और हाई कोर्ट तक इस मामले को ले जाया गया। इसी बीच प्रमुख सचिव समाज कल्याण हिमांशु कुमार को कमेटी गठित कर जांच के निर्देश दिए गए थे।

विधान सभा में राम नरेश भाजपा तो मनोज होंगे सपा के मुख्य सचेतक

» आराधना मिश्रा होंगी कांग्रेस के विधानमंडल दल की नेता

» ओम प्रकाश राजभर सदन में करेंगे सुभासपा का नेतृत्व

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान मंडल के बजट सत्र से पहले विधान सभा सचिवालय ने विभिन्न दलों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर सदन में उनके पदाधिकारियों की घोषणा कर दी है। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के विधान मंडल दल का नेता होने के नाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधान सभा में नेता सदन की भूमिका निभाएंगे।

राम नरेश अग्निहोत्री भाजपा के मुख्य सचेतक तथा रामचन्द्र यादव, कृष्णा पासवान, अमित अग्रवाल, अनुराग सिंह, राजीव गुंबर, राजीव सिंह, साकेन्द्र प्रताप, सुरेन्द्र मैथानी, सौरभ श्रीवास्तव, राजेश त्रिपाठी, विपिन कुमार डेविड, पीयूष रंजन निषाद, सत्यपाल सिंह राठौर व राजीव सिंह पारीछा सचेतक बनाये गए हैं। डा. नीरज बोरा भाजपा के कोषाध्यक्ष की भूमिका निभाएंगे। वहीं, सदन में मुख्य विपक्षी दल सपा का नेता होने की वजह से अखिलेश यादव नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में होंगे। इंद्रजीत सरोज सपा के उप नेता, मनोज कुमार पांडेय मुख्य सचेतक, कमाल अख्तर उप मुख्य सचेतक, डा.संग्राम यादव सचेतक, बृजेश कठेरिया महामंत्री और सैय्यदा खातून कोषाध्यक्ष होंगी। साथ ही अपना दल (सोनेलाल) के नेता रामनिवास वर्मा और उप नेता राहुल प्रकाश कोल होंगे। प्रो.अजय कुमार रालोद के मुख्य सचेतक, अशरफ अली उप मुख्य सचेतक और प्रदीप गुड्डू कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे। निषाद पार्टी के नेता की भूमिका में अनिल कुमार त्रिपाठी नजर आएंगे। ओम प्रकाश राजभर सदन में सुभासपा का नेतृत्व करेंगे। कांग्रेस के विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना होंगी। सदन में दो सदस्यों वाले जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के नेता रघुराज प्रताप सिंह और उप नेता विनोद सरोज होंगे। एकमात्र सदस्य वाली बहुजन समाज पार्टी के नेता उमाशंकर सिंह होंगे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

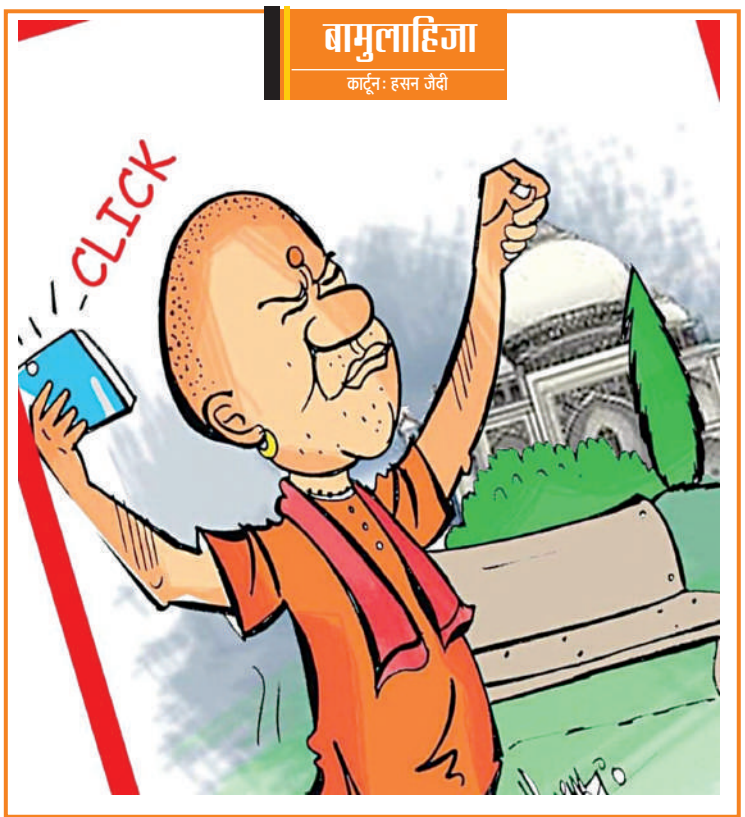

क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन करेंगे नड्डा

» भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पांच जून को पहुंच सकते हैं गोरखपुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। भाजपा का नया क्षेत्रीय कार्यालय खोराबार क्षेत्र के रानीडीहा में बनकर तैयार हो गया है। उसके लोकार्पण की तैयारी भाजपा के पदाधिकारियों ने तेज कर दी है। लोकार्पण के लिए स्थानीय पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित किया। दोनों अतिथियों ने आमंत्रण स्वीकार कर लिया है। पांच जून को इसके लोकार्पण की संभावित तिथि मानकर पार्टी पदाधिकारी तैयारी में जुटे हैं।

लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारी बैठक को नए कार्यालय पर क्षेत्रीय अध्यक्षता डा. धर्मेंद्र सिंह की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान तैयारी की स्थिति और कार्यक्रम को भव्य बनाने पर चर्चा हुई। बैठक में भाजपा के प्रदेश संयोजक भवन निर्माण राकेश त्रिवेदी और प्रदेश मंत्री शंकर गिरि ने हिस्सा लिया। उन्होंने नए भवन में पार्टी गतिविधियों के लिए इंतजाम का जायजा भी लिया। बैठक में मौजूद सभी पदाधिकारियों ने आयोजन को भव्य बनाने के संबंध में अपने-अपने सुझाव दिए।

पीएम मोदी दे गए योगी के मंत्रियों को मिशन 2024 की जीत का मंत्र

» मंत्रियों से कामकाज की ली जानकारी, मंडलीय दौरे का फीड बैक जाना

» सरकार की योजनाओं को गरीबों तक पहुंचाने पर दिया जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योगी सरकार की कानून-व्यवस्था की सराहना करते हुए मंत्रियों को सुशासन का पाठ पढ़ाया। उन्होंने मंत्रियों से कहा कि अपने 50 दिन के काम का आकलन करके कमियों को दूर करें। उन्होंने मंत्रियों को अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर काम करने की सलाह देते हुए कहा कि इससे अच्छे नतीजे सामने आएंगे। लोगों के जीवन में सुगमता लाने पर फोकस होना चाहिए। मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित रात्रिभोज से पहले प्रधानमंत्री ने मंत्रियों के साथ बैठक की। सूत्रों के अनुसार पीएम ने 2024 के लोक सभा चुनाव के मद्देनजर मंत्रियों को मेहनत से काम करने का मंत्र दिया।

उन्होंने सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ गरीबों तक पहुंचाने पर जोर दिया ताकि जनता में सरकार के प्रति विश्वास और मजबूत हो। उन्होंने मंत्रियों के साथ ग्रुप फोटो भी कराया और रात्रिभोज के बाद दिल्ली लौट गए। इससे पहले पीएम मोदी ने मंत्रियों से हाल ही में उनके मंडलीय दौरे के दौरान जनता से मिले फीड बैक की भी जानकारी ली। पूछा कि वहां अधिकारी कैसे काम कर रहे हैं। आम लोगों और कार्यकर्ताओं की बात सुनी जा रही है या नहीं? मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के सामने प्रदेश के विकास का रोडमैप भी प्रस्तुत किया। मंत्रियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने सुशासन और ईज ऑफ लिविंग पर खास जोर दिया। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार के प्रति लोगों की धारणा अच्छी बनी है। इसी तरह अन्य क्षेत्रों में भी काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा मंत्री ज्यादा से ज्यादा समय कार्यालय में बैठकर काम निपटाएं। लोगों के बीच अच्छी धारणा कठोर परिश्रम करने से ही बनती है। जनता के साथ व्यवहार अच्छा होना चाहिए। उन्होंने मंत्रियों से अपने विभागो में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने और जनता से जुड़ी फाइलों का तत्काल निस्तारण कराने को कहा है।

भ्रष्टाचार पर लगाम लगाएं संगठन से बनाएं समन्वय

पीएम मोदी ने मंत्रियों से अपने विभागो में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने और जनता से जुड़ी फाइलों का तत्काल निस्तारण कराने को कहा है। केंद्रीय योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए सभी मंत्री अपने-अपने विभागों के माध्यम से काम करें। साथ ही जनता को जागरूक भी करें कि वह कैसे इन योजनाओं का लाभ से सकते हैं। इसके लिए सभी मंत्रियों को सामूहिक रूप से प्रयास करना होगा। उन्होंने मंत्रियों को संगठन के साथ भी समन्वय बनाकर काम करने की सलाह दी।

जनता के बीच जाना चाहिए अच्छा संदेश

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार के कामकाज का जनता के बीच अच्छा संदेश जाना चाहिए। लोगों को यह महसूस होना चाहिए कि सरकार उनकी बेहतरी के लिए काम कर रही है। जनता के बीच हमारी धारणा अच्छी बननी चाहिए क्योंकि अधिकांश लोग हमसे मिलते नहीं है, लेकिन धारणा के आधार पर तय करते हैं कि सरकार का कामकाज कैसा है? अच्छी धारणा कठोर परिश्रम करने से ही बनती है। जनता के साथ व्यवहार अच्छा होना चाहिए।

क्या करना है, पहले से तय हो

पीएम ने मंत्रियों को अपनी दिनचर्या व्यवस्थित करने और शिड्यूल तैयार करके काम करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि अगले दिन क्या करना है यह पहले से तय होना चाहिए। मंत्री ज्यादा से ज्यादा समय कार्यालय में बैठकर काम निपटाएं।

दूसरी बार पहुंचे सीएम आवास

यह दूसरा मौका था जब मोदी बतौर प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे। इससे पहले मोदी 20 जून 2017 को मुख्यंमत्री आवास आए थे। तब राष्ट्रपति चुनाव से पहले का मौका था। इसमें विपक्ष के नेता, धर्मगुरु सहित अन्य खास मेहमान भी बुलाए गए थे। इसके बाद रामनाथ कोविंद भी राष्ट्रपति उम्मीदवार घोषित होने के बाद 25 जून 2017 को मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे। तब वे भाजपा एवं सहयोगी दलों के सांसदों और विधायकों का समर्थन मांगने योगी के घर पहुंचे थे। उप राष्ट्रपति वैंकेया नायडू भी 24 जनवरी 2018 को मुख्यमंत्री के सरकारी आवास आए थे।

लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस का खेल बिगाड़ सकते हैं क्षेत्रीय क्षत्रप

» चिंतन शिविर में राहुल गांधी का बयान बन सकता है मुसीबत

» क्षेत्रीय पार्टियां नहीं हरा सकती भाजपा को, बयान पर भड़के दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस का खेल क्षेत्रीय क्षत्रप बिगाड़ सकते हैं। क्षेत्रीय पार्टियों ने राहुल गांधी के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि क्षेत्रीय पार्टियां भाजपा को नहीं हरा सकती। केवल कांग्रेस ही भाजपा को हराने में सक्षम है।

माना जा रहा था कि उदयपुर में आयोजित कांग्रेस के इस चिंतन शिविर में पार्टी नेतृत्व ने अपने कार्यकर्ताओं और सहयोगी पार्टियों को कुछ ठोस संदेश दे पाएगी, लेकिन ऐसा होता नहीं दिखा। इसके उलट राहुल गांधी का बयान सुर्खियां बटोर रहा है जिसमें उन्होंने क्षेत्रीय पार्टियों का जिक्र किया है। राहुल के इस बयान से न सिर्फ क्षेत्रीय पार्टियां नाराज नजर आ रही हैं बल्कि राजनीतिक विश्लेषक राहुल के इस बयान के नफा-नुकसान के आकलन में जुट गए हैं। दरअसल, कांग्रेस का राजस्थान के उदयपुर में तीन दिन का चिंतन शिविर खत्म हो गया। इस चिंतन शिविर में राहुल गांधी ने बयान दिया कि अगर कोई दल भाजपा को हरा सकता है तो वह कांग्रेस है, क्षेत्रीय पार्टियां भाजपा को नहीं हरा सकती हैं। इस दौरान राहुल ने आरएसएस-भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इनकी विचारधारा देश के लिए खतरा है और क्षेत्रीय पार्टियों के पास ऐसी विचारधारा नहीं कि वह भाजपा को हरा सके। राहुल के इस बयान पर क्षेत्रीय दलों ने तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की है। सपा ने कहा चिंतन शिविर का निष्कर्ष अपने आप में दिखाता है कि कांग्रेस देश की राजनीति के लिए कितनी खतरनाक है। वहीं आरजेडी के प्रवक्ता मनोज कुमार झा ने कहा कि भाजपा के खिलाफ लड़ाई में क्षेत्रीय दल लोक सभा में मजबूत हैं। कांग्रेस को उन्हें अपना साथी मानना चाहिए और उन्हें ड्राइविंग सीट पर रहने देना चाहिए। यही बात राजद नेता तेजस्वी यादव ने भी कही है।

बिगड़ सकता है समीकरण

यह बात सही है कि कांग्रेस लंबे समय तक अखिल भारतीय पहचान वाली पार्टी रही है। भाजपा के उभार के बाद कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस की जगह ले ली है। राहुल अपने इस बयान से भले ही अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों का उत्साह बढ़ा रहे हों लेकिन वे इसके साथ ही साथ यह भी संदेश देना चाह रहे हैं कि कांग्रेस ही वह पार्टी है जो भाजपा को हरा सकती है और वे ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि हाल के वर्षों में ऐसा कई बार देखा गया है कि कई दल भाजपा के मुकाबले के लिए इकट्ठा होने की कोशिश करते आए हैं। दूसरी तरफ खुद कांग्रेस पार्टी के अंदर असंतुष्ट नेताओं की फौज है। इतना ही नहीं कांग्रेस के तमाम नेता पार्टी छोड़कर या तो भाजपा में शामिल हो रहे हैं या फिर आम आदमी पार्टी जैसी अन्य पार्टियों में शामिल हो रहे हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों के हवाले से यह भी बताया गया है कि कांग्रेस के नेता खुद यह चाहते हैं कि पहले कांग्रेस को इन मामलों से भी निपटना होगा।

बयान के क्या हैं मायने

कांग्रेस पर नजर रखने वाले राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि कई राज्यों में भाजपा के मुकाबले में क्षेत्रीय दल ही खड़े हैं और वहां कांग्रेस कमजोर हो रही है लेकिन इसके बावजूद भी भाजपा राज्यों में लगातार सरकारें बना रही है। इस बात को कांग्रेस नेतृत्व अच्छे से समझता है कि अगर राज्यों में क्षेत्रीय दल मजबूत होंगे तो कांग्रेस कमजोर होगी और अगर कांग्रेस को मजबूत होना है तो उसे अपनी अखिल भारतीय पहचान को बनाए रखना होगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बेलगाम महंगाई से कराहता आम आदमी

कोरोना महामारी के बीच देश की जनता लगातार बढ़ती महंगाई से कराह रही है। माह-दर-माह महंगाई का ग्राफ चढ़ता जा रहा है। अप्रैल में थोक महंगाई ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। सरकारी आंकड़े के मुताबिक अप्रैल में थोक महंगाई दर 15.08 फीसदी रही जो पिछले साल इसी माह 10.74 थी। अप्रैल लगातार 13वां माह है जब थोक महंगाई दर दस फीसदी से ऊपर है। इसका सीधा असर आने वाले दिनों में खाद्य पदार्थों से लेकर डीजल-पेट्रोल की कीमतों पर दिखायी पड़ेगा। बढ़ती महंगाई के कारण आम आदमी की हालत लगातार खस्ता होती जा रही है। सवाल यह है कि महंगाई लगातार बढ़ क्यों रही है? सरकार इस पर लगाम क्यों नहीं लगा रही है? क्या तेल के बढ़ते दामों के कारण हालात बेकाबू होते जा रहे हैं? क्या तेल कंपनियों को मनमानी करने की छूट दी जा सकती है? क्या कोरोना और रूस-यूक्रेन युद्ध पर महंगाई का ठीकरा फोड़ देने भर से सरकार दायित्वों से भाग सकती है? क्या आम आदमी को महंगाई से राहत देने की जिम्मेदारी सरकार की नहीं है?

कोरोना ने पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था को बेपटरी कर दिया है। रही सही कसर रूस-यूक्रेन युद्ध ने पूरी कर दी है। भारत पर भी इसका साफ असर दिख रहा है। यहां महंगाई बढ़ती जा रही है। पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने के कारण मालभाड़े में वृद्धि हुई। इसका सीधा असर खाद्य पदार्थों की कीमतों पर पड़ा। सब्जी से लेकर खाद्य पदार्थ तक महंगे हो गए हैं। इनकी कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है। वहीं आम आदमी दोहरी मार झेल रहा है। कोरोना के कारण लाखों लोग बेरोजगार हो चुके हैं और दूसरी ओर महंगाई ने उनकी कमर तोड़ दी है। उनकी क्रय शक्ति बेहद कम होती जा रही है। इसका सीधा असर बाजार पर पड़ रहा है। बाजार में मांग-आपूर्ति के बीच असंतुलन पैदा हो चुका है। खुदरा महंगाई दर भी 7.8 फीसदी पर पहुंच चुकी है। बढ़ती महंगाई के कारण रिजर्व बैंक को भी रेपो रेट बढ़ाना पड़ा है। रिजर्व बैंक ने भी स्वीकार किया है कि आने वाले दिनों में आम लोगों को महंगाई से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है क्योंकि लोगों की क्रय शक्ति को बढ़ाए बिना अर्थव्यवस्था को रफ्तार नहीं दिया जा सकता है। जाहिर है सरकार को महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने होंगे अन्यथा हालात बदतर हो जाएंगे। इसके कारण बड़ी आर्थिक मंदी का सामना भी करना पड़ सकता है। केंद्र सरकार को चाहिए कि वह एक ओर मूल्यों का निर्धारण करे वहीं दूसरी ओर राज्य सरकारों पर पेट्रोल-डीजल के दाम पर वैट में छूट देने का दबाव बनाए। वहीं लोगों को रोजगार के साधन भी मुहैया कराए।

कोरोना महामारी के बीच देश की जनता लगातार बढ़ती महंगाई से कराह रही है। माह-दर-माह महंगाई का ग्राफ चढ़ता जा रहा है। अप्रैल में थोक महंगाई ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। सरकारी आंकड़े के मुताबिक अप्रैल में थोक महंगाई की दर 15.08 फीसदी रही जो पिछले साल इसी माह 10.74 थी। अप्रैल लगातार 13वां माह है जब थोक महंगाई दर दस फीसदी से ऊपर है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीति में गांधीवाद का आकर्षण

संजय बारू

महात्मा गांधी बीती सदी के सबसे स्थापित वैश्विक राजनीतिक प्रतीक हैं। लेनिन से लेकर चे ग्वेरा तक और हो ची मिन्ह से लेकर नेल्सन मंडेला तक कई राष्ट्रीय नेता हुए, जिन्होंने वैश्विक प्रतिष्ठा प्राप्त की। हालांकि इनमें से कुछ का प्रभाव कम हुआ पर महात्मा गांधी का ब्रांड असरदार बना हुआ है और दुनियाभर में इनके प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। भारतीयों में उनका आकर्षण कुछ ऐसा है कि कम्युनिस्ट और भाजपा जैसी उनकी आलोचना करनेवाली पार्टियों को भी उनकी छवि को स्वीकार करना पड़ा है इसलिए यह अचरज की बात नहीं है कि भारतीय राजनीति के मंच पर ताजातरीन आनेवाले प्रशांत किशोर ने भी अपनी और अपनी नयी राजनीतिक परियोजना की शुरुआत महात्मा गांधी के नाम पर की है।

किशोर ने अपने आदर्श के लिए न केवल गांधी से संबंधित एक उक्ति- 'सही क्रिया ही बेहतरीन राजनीति है' का चयन किया, बल्कि उन्होंने अपनी पदयात्रा प्रारंभ करने के लिए भी गांधी से जुड़े स्थान चंपारण का चयन किया है। पदयात्रा के बाद वे एक राजनीतिक दल की स्थापना करेंगे। गांधी से प्रेरित कांग्रेस पहली ऐसी राजनीतिक पार्टी थी, जिसने अपने को सरकार की पार्टी के रूप में कामयाबी से पेश किया था। इसे चुनौती देनेवाले पहले बड़े दल- जनता पार्टी का नेतृत्व एक गांधीवादी जयप्रकाश नारायण ने किया था। उस पार्टी की स्थापना की घोषणा भी महात्मा से जुड़े प्रतीकों की उपस्थिति में हुई थी। मार्च, 1977 में संसद के लिए निर्वाचित जनता पार्टी के सदस्य गांधीजी की समाधि पर एकत्र हुए और उन्होंने उनके आदर्शों पर चलने की शपथ ली। बहरहाल, समय बीतने के साथ गांधीजी को केवल उनकी जयंती और पुण्य तिथि पर याद किया जाने लगा है या उनकी याद तब आती है, जब संसद भवन के परिसर में उनकी प्रेरणादायी मूर्ति के नीचे विपक्षी सांसद विरोध प्रदर्शन करते हैं। क्या प्रशांत ने महात्मा को अपने राजनीतिक आदर्श और प्रेरणा के रूप में इसलिए ग्रहण किया है कि उनके पास संग्रहित आंकड़े इंगित कर रहे हैं कि उस राष्ट्रीय आंदोलन की जड़ों के पास लौटने की एक राष्ट्रीय चाह है, जिसने विभाजित भारत को एकजुट किया था? क्या भारत, जो फिर एक बार सांप्रदायिक, जातिगत, भाषायी और क्षेत्रीय आधारों पर विभाजित हो रहा है, एक ऐसे नेता का आकांक्षी है, जो सबको एक साथ

ला सके? गांधी ने कई तरह से बंटे भारतीयों को एकताबद्ध कर देशभक्ति का संचार किया था। ऐसे समय में, जब भारत आंतरिक रूप से विभाजित है और उसकी बाह्य छवि चोटिल है, एक नया गांधीवादी आख्यान देश में शांति व सद्भाव स्थापित कर सकता है। अहिंसा और सामाजिक समता के गांधीजी के संदेश आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके समय में थे। कांग्रेस, जो अब सोनिया कांग्रेस हो चुकी है, अपने को नेहरू, इंदिरा, राजीव, सोनिया और राहुल के राजनीतिक वंश के वारिस के रूप में पेश करती है। वामपंथी पार्टियां मार्क्स और लेनिन से वैचारिक प्रेरणा लेती हैं, पर राजनीतिक स्तर पर वे नम्बूदरीपाद, सुंदरैया, अच्युतानंदन और ज्योति बसु की विरासत पर निर्भर हैं। भाजपा के लिए एक समस्या रही है कि वह संघ परिवार के स्वतंत्रता से पहले के किसी नेता को गांधीजी की प्रतिष्ठा के बराबर नहीं ला सकी है। इस प्रयास में उन्हें सरदार पटेल को लेना पड़ा है।

समय के साथ कांग्रेस ने गांधीजी के स्थान पर अपने मुख्य आदर्श के तौर पर नेहरू और इंदिरा को स्थापित कर दिया है पर नरेंद्र मोदी की भाजपा को अटल बिहारी वाजपेयी को वैसा दर्जा देने में असमंजस है। मोदी समर्थक उन्हीं को आदर्श के रूप में स्थापित करने के लिए मेहनत कर रहे हैं। हाल में सत्ता में उनके दो दशक पूरे होने पर आयी किताब का विमोचन इसका एक उदाहरण है। क्षेत्रीय दलों के लिए उनके संस्थापक ही उनके आदर्श हैं। चरण सिंह उन लोगों के लिए प्रतीक हैं, जो उनकी विरासत के प्रति समर्पित हैं। क्षेत्रीय नेता व्यापक विचारधारा की तुलना में वर्गीय समर्पण के लिए अधिक आकर्षक रहे हैं पर उनमें कुछ का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक राष्ट्रीय रहा है। एनटीआर ने तेलुगु गौरव पर ध्यान केंद्रित किया, लेकिन उन्होंने एक वर्चस्ववादी राजनीतिक शक्ति के विरुद्ध राष्ट्रीय स्तर पर लामबंदी की। राजनीतिक सलाहकार के तौर पर प्रशांत किशोर के असंकीर्ण रिकॉर्ड को देखते हुए यह देखना बाकी है कि वे किस तरह की विचारधारा या मंच का प्रतिनिधित्व करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने शुरू में सुशासन और भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष के इर्द-गिर्द अपना ब्रांड बनाया था, पर अब वे अन्य राजनेता की तरह ही हैं। प्रशांत किशोर को अपने गृह राज्य बिहार में अपनी क्षमता साबित करनी होगी, तभी उन्हें गंभीरता से लिया जायेगा। प्रशांत किशोर को पता होगा कि राजनीति केवल संख्या का खेल नहीं है, इसमें स्पष्ट और गणनायोग्य समर्थन भी जुटाना होता है।

बैडमिंटन के लिए गौरवपूर्ण क्षण

अभिषेक दुबे

यदि स्वतंत्र भारत के खेल इतिहास के गौरवपूर्ण क्षणों को देखें तो 1948 में लंदन ओलिंपिक में हॉकी का स्वर्ण पदक, 1983 का क्रिकेट विश्व कप, 2011 का क्रिकेट विश्व कप, 1975 में हॉकी विश्व कप, बीते ओलिंपिक में नीरज चोपड़ा का स्वर्ण पदक जैसी उपलब्धियां याद आती हैं। थॉमस कप में पुरुष बैडमिंटन टीम की जीत भी इसी श्रेणी में है। इसे अब तक का सबसे गौरव भी माना जा सकता है। इसके दो कारण हैं। पहला, अभी तक जिन टीम खेलों में हमने जीत हासिल की है, उन्हें किसी तरह कमतर न आंकते हुए यह कहा जा सकता है कि उन खेलों को बहुत कम देश खेलते हैं लेकिन बैडमिंटन डेढ़ सौ देशों में खेला जाता है। इसमें जो चोटी के पचास खिलाड़ी हैं वे लगभग बराबर क्षमता के हैं और कभी भी कोई खिलाड़ी ऊपर-नीचे जा सकता है। ऐसे में भारतीय टीम का थॉमस कप जीतना सबसे बड़ी खेल उपलब्धि है।

व्यक्तिगत खेलों में तो विभिन्न खिलाड़ियों की उल्लेखनीय उपलब्धियां रही हैं पर टीम गेम में यह अवसर सबसे बड़ा है। दूसरी बात यह है कि अगर आप कुछ दिन पहले किसी से कहते कि भारतीय टीम डेनमार्क, इंडोनेशिया, मलेशिया आदि देशों को हरा कर थॉमस कप जीत जायेगी तो वह हंस देता। कहने का मतलब यह है कि इस जीत का दावा सबसे बड़ा आशावादी भी आसानी से नहीं कर सकता था। यह जीत अचानक नहीं मिली है। बीते कई वर्षों से भारतीय बैडमिंटन में धीरे-धीरे निखार आता जा रहा था। आज भले ही हम लक्ष्य सेन या श्रीकांत जैसे खिलाड़ियों की चर्चा कर रहे हैं, जिसके वे हकदार भी हैं, लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने में अनेक लोगों का अहम योगदान रहा है। प्रकाश पादुकोण के दौर से ही आज की नींव पड़ चुकी थी, जिसे पुलेला गोपीचंद ने बहुत आगे बढ़ाया, जब उन्होंने ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में जीत हासिल की। फिर पीवी सिंधु और सायना नेहवाल ने इसे नये आयाम तक पहुंचाया। पर्दे के पीछे रह कर आरिफ साहब जैसे लोगों ने बैडमिंटन को आगे ले जाने में भूमिका निभायी। इन लोगों के कारण डेढ़ साल में इस खेल के लिए पुख्ता जमीन तैयार हो गयी थी। थॉमस कप की जीत ने साबित कर दिया है कि अब बैडमिंटन में भारत बड़ी शक्ति के रूप में उभर चुका है अगर आप खेल इतिहास को देखें तो पायेंगे कि आम तौर पर जो बड़े खिलाड़ी होते हैं, वे विश्वसनीय कोच नहीं बन पाते हैं लेकिन गोपीचंद ने पहले खिलाड़ी के रूप में और फिर प्रशिक्षक के रूप में कमाल कर दिखाया है। उनकी तुलना भारतीय खेल जगत में एक ही व्यक्ति से की जा सकती है, जिसका नाम राहुल द्रविड़ है। ये दोनों बड़े खिलाड़ी हैं, पर इन्होंने कोचिंग में भी अपनी छाप छोड़ी है। गोपीचंद की एकेडमी में मुझे कई बार जाने का अवसर मिला है। इतने बड़े खिलाड़ी होने के बाद भी वे कहते थे कि कोचिंग में उन्हें बुनियाद से शुरुआत करनी है। वे अपने खिलाड़ी होने के रुतबे को हावी नहीं होने देते। देश में बड़े खिलाड़ियों के नाम पर कई एकेडमी चल रही हैं, पर उनमें उन खिलाड़ियों की विशेष भूमिका नहीं होती।

वे साल में एक-दो बार जाते हैं और बाकी प्रशिक्षण अन्य कोच संभालते हैं। गोपीचंद के साथ ऐसी बात नहीं है। वे और उनका पूरा परिवार सुबह से लेकर संस्थान बंद होने तक वहीं रहता है। इससे यह हुआ कि वहां के खिलाड़ियों में अंतरराष्ट्रीय स्तर का भरोसा पैदा हुआ। जब सायना नेहवाल आयीं, तो कहा गया कि यह उनकी प्रतिभा का कमाल है। निश्चित रूप से प्रतिभा बहुत महत्वपूर्ण है लेकिन अच्छा प्रशिक्षण भी आवश्यक है। जब सिंधु आयीं, तो लोगों को कहना पड़ा कि उसी एकेडमी से एक और अच्छा खिलाड़ी आया है। विमल कुमार और प्रकाश पादुकोण ने भी अच्छा योगदान दिया है। गोपीचंद ने जिस दिशा में काम किया है और उसके अच्छे परिणाम आज हमारे सामने हैं, उसे अन्य खेलों में भी लागू किया जाना चाहिए। इस जीत के साथ भारतीय बैडमिंटन में बड़ी क्रांति घटित हो गयी है। अभी तक यह होता था कि किसी भी खेल में एक बड़ा नाम उभरता था और उसी के नाम पर खेल आगे बढ़ता था, लेकिन बैडमिंटन में कई हीरो आये हैं और ऐसा महिला व पुरुष दोनों वर्गों में हुआ है। थॉमस कप की जीत टीम की जीत है और दुनिया के सबसे बड़े प्रतिस्पर्धात्मक खेलों में से एक में यह जीत मिली है पर अब भी बहुत काम करना होगा क्योंकि इस खेल के शीर्षस्थ देशों में अभी हम नहीं हैं।

आगामी चार-पांच वर्षों तक जीत की निरंतरता बनानी होगी। इसके लिए जरूरी है कि हम देशभर की प्रतिभाओं को उभरने का मौका मुहैया कराएं। सभी खिलाड़ी हैदराबाद या बेंगलुरु में तो प्रशिक्षण नहीं ले सकते हैं इसलिए गोपीचंद की एकेडमी की तर्ज पर अन्य जगहों पर भी कोचिंग दी जानी चाहिए। इसमें राज्य सरकारों तथा निजी संस्थानों को सक्रिय होना चाहिए। बैडमिंटन कौशल का खेल है और हमारे पास कौशल की कमी नहीं है। शारीरिक क्षमता और फिटनेस में भी अब हमारे खिलाड़ी किसी अन्य देश के खिलाड़ियों से कम नहीं हैं। अब हमारे खिलाड़ी आखिरी सेट तक मुकाबला कर जीत रहे हैं। थॉमस कप की जीत से हौसला भी बढ़ा है और उम्मीद भी।

इन नॉन डेयरी फूड से हड्डियां रहेंगी मजबूत

कैल्शियम शरीर को समग्र रूप से विकसित होने के लिए आवश्यक एक महत्वपूर्ण तत्व है। ऐसा माना जाता है कि दूध और दही जैसे कुछ डेयरी उत्पाद कैल्शियम के समृद्ध स्रोत हैं, जिनके सेवन करने से शरीर की हड्डियां मजबूत बनती है। हालांकि यह वेगन लोगों या डेयरी उत्पादों का सेवन नहीं करने वालों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। तो ऐसे में कैल्शियम के और क्या कोई विकल्प बचते हैं? इंस्टाग्राम पर न्यूट्रिशन बाय लवनीत शीर्षक के तहत एक स्वास्थ्य पेज ने पांच गैर-डेयरी खाद्य पदार्थों पर एक पोस्ट साझा किया है जो कैल्शियम से भरे हुए हैं और उसी के लिए आपकी आवश्यकता को पूरा कर सकते हैं। कैप्शन में कहा गया है कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए अपने आहार में पर्याप्त कैल्शियम प्राप्त करना आवश्यक है। यह आपकी हड्डियों और दांतों को स्वस्थ रखने में मदद करता है और यह आपके शरीर में तंत्रिका और मांसपेशियों की गतिविधि के लिए भी महत्वपूर्ण है। आपके शरीर में कैल्शियम के सेवन में मदद करने के लिए यहां पांच नॉन-डेयरी खाद्य पदार्थ दिए गए हैं।

ओट्स

ओट्स को एक बहुत ही स्वस्थ अनाज के रूप में जाना जाता है और यह फाइबर, विटामिन बी और अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्वों के साथ कैल्शियम का एक समृद्ध स्रोत भी पाया जाता है। डाइटिशियन के मुताबिक सिर्फ आधा कप ओट्स में 200 मिलीग्राम कैल्शियम होता है जो दूध की समान मात्रा से ज्यादा होता है। इसके अलावा ओट्स का सेवन आमतौर पर सोया दूध या बादाम के दूध के साथ किया जाता है, दोनों ही गाय के दूध के स्वादिष्ट विकल्प हैं और कैल्शियम के समृद्ध स्रोत हैं।

चना

ऐसा कहा जाता है कि इसकी फलियों के लगभग 100 ग्राम में 150 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। चना भी वेगन प्रोटीन के सबसे अच्छे स्रोतों में से एक है। यह लोहा, तांबा, फोलेट और फास्फोरस से भरा हुआ है। आप चने से तरह-तरह के व्यंजन बना सकते हैं और बढ़िया स्नैक्स का आनंद उठा सकते हैं।

तिल

हम सभी जानते हैं कि तिल कई तरह से शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। इनमें मैग्नीशियम, लोहा, फास्फोरस, जस्ता और सेलेनियम होता है। लगभग 100 ग्राम तिल में एक भारतीय वयस्क के लिए आवश्यक कैल्शियम के दैनिक मूल्य का लगभग 100त्न होता है। आप तिल को सूखा भूनकर और खाद्य पदार्थों पर छिड़क कर या ताहिनी पेस्ट के रूप में सेवन कर सकते हैं। चूंकि वसा की मात्रा अधिक होती है, इसलिए एक दिन में केवल 2-3 चम्मच तक ही लें।

भिंडी

भिंडी फाइबर, मैग्नीशियम, फोलेट और विटामिन बी6 का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। लगभग 100 ग्राम भिंडी में 86 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। ब्रोकोली और अन्य पत्तेदार सब्जियों में भी कैल्शियम होता है।

सोयाबीन्स

वेगन और वेजेटेरियन लोगों के सोयाबीन्स सबसे पसंदीदा विकल्पों में से एक है। 100 ग्राम सोयाबीन 239 एमजी डायटरी कैल्शियम प्रदान करता है। सोयाबीन में आयरन और प्रोटीन की मात्रा भी होती है। एडामे और सोया आधारित उत्पाद जैसे टोफू, सोया दूध, सोया नगेट्स भी कैल्शियम के अच्छे स्रोत हैं।

रागी

अमरनाथ और रागी जैसे स्वस्थ और लस मुक्त अनाज कैल्शियम सहित कई महत्वपूर्ण खनिजों से भरे होते हैं। तो, उन्हें अपने आहार में शामिल करें और आनंद लें।

सूखे अंजीर

सूखे अंजीर एक लोकप्रिय मीठा सूखा फल है जिसे आम तौर पर कॉर्नफ्लेक्स या ओट्स में जोड़ा जाता है ताकि इसे एक स्वादिष्ट नाश्ता भोजन बनाया जा सके। डेढ़ कप सूखे अंजीर स्वस्थ एंटीऑक्सीडेंट की एक बड़ी सामग्री के साथ 320 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति करते हैं। महत्वपूर्ण नोट- कैल्शियम और फॉस्फेट की मात्रा को नियंत्रित करने के लिए शरीर को विटामिन डी की आवश्यकता होती है। इसलिए, आपके शरीर में कैल्शियम की मात्रा को बनाए रखने के लिए विटामिन डी के स्तर की जांच करना महत्वपूर्ण है।

हंसना मना है

मिंकी बहुत देर से मेडिकल स्टोर के बाहर खड़ी थी.... दुकान में ग्राहकों की भारी भीड़ थी। लड़की भीड़ के हटने का इंतज़ार कर रही थी। काफी देर बाद जब भीड़ छंटी तो लड़की दुकानदार के पास गई। उसने धीरे से इधर-उधर देखकर एक परचा दुकानदार को दिया और बोली...भाई साहब, मेरे होने वाले पति डॉक्टर हैं.... यह उनका प्रेम पत्र है, पढ़कर सुना देंगे प्लीज।

18 साल- अपना टाइम आएगा.. 25 साल- अपना टाइम आएगा... 35 साल- अपना टाइम आएगा... 45 साल- अपना टाइम आएगा... 55 साल- अपना टाइम आएगा... फिर एक दिन..... रिश्तेदारों को खबर कर दो इनका टाइम आ गया है।

शादी को समझने के लिये एक वैज्ञानिक ने शादी कर ली अब उसको ये समझ में नहीं आ रहा कि विज्ञान क्या होता है !!!

टीचर- बताओ अगर एक छोटा ग्रह पृथ्वी से टकरा जाएगा तो क्या होगा? टिंकू- टन-टन की आवाज आएगी... टीचर- क्यों ? टिंकू- क्योंकि.. सनी लियोनी ने गाया है, ये दुनिया पितल दी.. ये दुनिया पित्तल दी...।

मौंटू ने अपनी मम्मी को बताया नंबर वाला चश्मा...उतारने का घरेलू और सरल उपाय... मौंटू- पहले दायें हाथ में दायी डंडी पकड़े फिर बायें हाथ में बायी डंडी पकड़े धीरे से चश्मा आगे की तरफ खींचे चश्मा उतर जायेगा।

आज की जनरेशन चेटिंग चेटिंग, यस पापा गर्लफ्रैंड सेटिंग, नो पापा टेलिंग लाइस, नो पापा ओपन योर वॉट्सऐप ना...ना...ना...

कहानी — मेंढ़क तथा सांड़

यह किसी तालाब के किनारे की घटना है। एम मेंढ़क का बच्चा पहली बार पानी से बाहर आया। तालाब के कुछ दूर पर भीमकाय सांड़ घास चर रहा था। मेंढ़क के बच्चे ने तो कभी भी इतना भयानक एवं भीमकाय जानवर नहीं देखा था। बेचारा समझ नहीं पर रहा था कि यह है क्या? वह उल्टे पैरों भय से कांपता हुआ घर आया। घर पहुंच कर अपनी मां से लिपट गया और हांफता-हांफता हुआ कहने लगा- मां, मैने अभी अभी तालाब से बाहर एक बहुत बड़ा जानवर देखा है। कैसा था देखने में वह जानवर? मां ने बच्चे को गोद में झुलाते हुए पूछा। उसका वजन बताना तो मेरे लिए कठिन है, मगर समझ लो कि उसके चार पैर लम्बे-लम्बे थे। एक पूंछ थी, दो बड़ी-बड़ी आंखें। सिर से दो नुकीली भाले जैसी दो चीजें निकली पड़ी थी। मेंढ़क का बच्चा बोला। मेंढ़क की मां ने भी कभी तालाब से बाहर कदम नहीं रखा था, इसलिए वह भी ठीक से समझ नहीं पा रही थी कि आखिर वह कौन से जानवर हो सकता है? उसे यह सुनकर कुछ अपमान भी महसूस हुआ कि उसका बेटा उसके आकार को उससे भी बड़ा बता रहा है, जबकि वह अपने से बड़ा किसी को समझती ही नहीं थी। इसलिए उसने जोर से सांस खींची और अपना शरीर फुलाते हुए बोली- क्या इतना बड़ा था, जितनी मैं हूं? अरे नहीं मां, वह तो तुमसे बहुत अधिक बड़ा था। मेंढ़क का बच्चा कांपते हुए चिल्लाया। इस बार मेंढ़क की मां ने अपने फेफड़ों में ढेर सी हवा भरी और आशा भरे स्वर में बोली- अब देखो! क्या अब भी वह मुझसे बड़ा लगता था? नहीं मां, तुम तो उसके आगे कुछ भी नहीं हो। मेंढ़क का बच्चा बोला। अब तो उसकी मां के लिए यह बात एक चुनौती बन गई। वह अपने फेफड़ों में जबरदस्ती हवा भर कर फूलने का प्रयत्न करने लगी, मगर आखिर वह कितना फूलती। एक समय आया जब उसका पेट किसी गुब्बारे की भांति फट गया।

शिक्षा ङ्क घमंडी व्यक्ति का सिर सदैव नीचा होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — कार्यस्थल पर अंतिम मिनट में लिए गए निर्णय कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। आज आप में से कुछ बहुप्रतीक्षित सफलता प्राप्त करेंगे। आज आप प्रतिबद्धताओं से घिरे रह सकते हैं।

वृषभ — आज आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपसी विश्वास और सहजता के सहारे आपके संबंधों में मजबूती आयेगी। मेहनत के परिणाम जल्द ही आपको मिलेंगे।

मिथुन — आपकी लोकप्रियता में वृद्धि संभव हैद्ध इस अवधि के दौरान व्यावसायिक संदर्भ में कुछ छोटी दूरी की यात्राएं हो सकती हैं। आपके द्वारा अपनी पूरी कार्य क्षमता का प्रयोग हर हाल में सफल बनाएगा।

कर्क — आज किसी काम में आपको जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे। व्यापार में आपको उम्मीद से कुछ कम ही लाभ मिल पायेगा।

सिंह — आप महत्वाकांक्षी उद्यम में प्रवेश कर सकते हैं। यह आर्थिक रूप से फायदेमंद साबित होगा। यदि आप उच्च अध्ययन, नौकरी या व्यवसाय के लिए विदेश जाना चाहते हैं।

कन्या — आज आप काम के प्रति बेहद एक्टिव रहेंगे। आप खुद को ताजगी से भरा हुआ महसूस करेंगे। जरूरतमंद की मदद के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। आपको इससे फायदा भी जरूर होगा।

तुला — छात्रों को सामान्य से अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, फिर भी वे अपने निरंतर प्रयासों से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आपको अध्ययन के प्रति अपने दृष्टिकोण में अधिक ध्यान केंद्रित करना होगा।

वृश्चिक — आज खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। बीटेक स्टूडेंट्स के लिए दिन शानदार रहने वाला है। प्रेम-प्रसंग में आपको सफलता मिलेगी। आपका दाम्पत्य जीवन बेहतर रहेगा। मन खुशियों से भरा रहेगा।

धनु — किसी संदेहजनक प्रोजेक्ट में हाथ न डालें वरना आप खुद को कानूनी पचड़ों से घिरा पा सकते है। अपने सामाजिक संपर्कों को मजबूत करने के लिए अपने आकर्षण और शिष्टता का उपयोग करें।

मकर — आज किसी काम को करते समय अपने मन को शांत रखें। इससे काम आसानी से पूरा होगा। आज पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच-समझकर लेने चाहिए।

कुम्भ — प्रियजनों के साथ समय बिताना आनंददायक रहेगा। व्यवसायी संदर्भ में आज आप महसूस कर सकते हैं कि आपके पास बहुत अधिक काम है। किन्तु उसे पूरा करने के लिए समय बहुत कम है।

मीन — आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आपका कोई खास काम आसानी से पूरा होगा। बिजनेसमैन के लिए दिन फायदेमंद रहने वाला है। कोई दोस्त आपसे घर पर मिलने आ सकता है।

बॉलीवुड | तैयारी

परेश रावल ने बॉलीवुड में अपने डेब्यू को किया याद

परेश रावल ने फिल्मों में कई यादगार रोल निभाए हैं। वे फिल्म 'हेरा फेरी' में बाबूराव गणपतराव आप्टे के रोल में अभी भी लोगों को गुदगुदाते हैं। लोग 'अंदाज अपना अपना' में उनके रोल तेजा को भूल नहीं सकते। वे 'ओएमजी: ओह माई गॉड' में कांजीभाई का रोल निभाकर दर्शकों के दिलों में बस गए हैं। उन्होंने अपने रोल से लोगों को हंसाया, रुलाया और जिंदगी के अनमोल सबक दिए। अब एक्टर ने एक इंटरव्यू में बॉलीवुड में अपने डेब्यू के बारे में बताया है। परेश रावल ने फिल्म 'अर्जुन' से बॉलीवुड में कदम रखा था। एक्टर ने बताया कि उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'अर्जुन' कब और कैसे साइन की? वे बोले, 'अर्जुन' के लिए, मेरे पास करीम मोरानी का फोन आया था जो मेरे दोस्त भी हैं। हम एक ही कॉलेज में पढ़ते थे। इसलिए उन्हें पता था कि मैं थिएटर और प्ले में एक्टिव हूं और मैं एक अच्छा एक्टर भी हूं।'वे आगे बताते हैं, 'उन्होंने एक दिन मुझे फोन किया और बताया कि वे एक फिल्म बना रहे हैं। राहुल रवैल निर्देशक हैं और जावेद अख्तर साहब इसे लिख रहे हैं। सनी देओल हीरो हैं। मुझसे पूछा कि क्या मैं उसमें एक्टिगं करना चाहूंगा। मैंने तुरंत हां कह दिया। फिर मैं राहुल भाई से 5-7 मिनट के लिए मिला। बता दें कि फिल्म 'अर्जुन' 1985 में रिलीज हुई थी। वे मुंबई के पुराने दिनों को याद करते हुए कहते हैं, 'जुहू में किचन नाम का एक रेस्टोरेंट हुआ करता था, मैं वहीं खड़ा था। वे कुछ देर बाद आए, हमने पांच मिनट तक बात की और फिर उन्होंने मुझे कॉस्ट्यूम के लिए माप देने को कहा। मैं शूटिंग के अपने पहले दिन समय पर पहुंच गया और अपना पहला शॉट दिया। मुझे याद है कि वे मेरी परफॉर्मेंस से बहुत खुश थे।' परेश रावल थिएटर बैकग्राउंड से आए हैं। जब उनसे कैमरे के सामने पहले शॉट के बारे में पूछा गया तो वे बोले, 'थिएटर हो या फिल्म, अच्छी एक्टिंग वैसे भी मुश्किल होती है।

कृति सेनन ने अपकमिंग फिल्म को लेकर किया खुलासा, कहा- पूरी तरह से नई होगी ये फिल्म

अपनी शानदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी आगामी फिल्मों को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। हाल में एक्ट्रेस ने अनुराग कश्यप की अपकमिंग रिवेंज ड्रामा फिल्म में शामिल होने का एलान किया था। अब उन्होंने खुलासा किया है कि ये कल्ट फिल्म किल बिल का रूपांतरण नहीं है। कृति ने अनुराग कश्यप की फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, अनुराग कभी रीमेक नहीं करते हैं। फिल्म की दुनिया में आपको एक बदला लेने वाली एक्शन फिल्में देखने को मिलती हैं। उन्होंने अपने आश्वस्त किया कि, ये फिल्म पूरी तरह से एक अलग और पूरी तरह से

बॉलीवुड | मसाला

ओरिजनल स्क्रिप्ट है। एक्ट्रेस उन्होंने आगे कहा, अनुराग वो है जो अपनी खुद की एक नई दुनिया बनाना पसंद करते हैं और वो उसकी दुनिया का हिस्सा बनने और अपने निर्देशित होने के लिए मैं उत्साहित हूं। ये फिल्म उनके द्वारा पहले की गई सभी फिल्मों से अलग होगी। जानकारी के अनुसार कृति इन दिनों लद्दाख में गणपत के अंतिम शेड्यूल की शूटिंग कर रही हैं, जहां टाइगर और कृति जबरदस्त एक्शन सीन्स को शूट करेंगे। उनका ये शेड्यूल 15 दिनों में पूरा होने की उम्मीद है। ये फिल्म, गणपत एक डिस्टोपियन थ्रिलर जॉनर की फिल्म है, जो कृति सेनन और टाइगर पर फिल्माई गई है। इस फिल्म में टाइगर और कृति जबरदस्त एक्शन करते हुए दिखाई देंगे विकास बहल द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अभिनेता टाइगर श्रॉफ के साथ एक्ट्रेस कृति अहम किरदार में नजर आने वाली हैं।

आश्रम 3 के ट्रेलर के बाद सोशल मीडिया पर बवाल मचा रहे त्रिधा चौधरी के लुक्स

प्रकाश झा की वेब सीरीज आश्रम के दोनों सीजन की सफलता के बाद इसके तीसरे सीजन का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हो गया है। दर्शकों को इसका ट्रेलर काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। इसे देखने के बाद लोगों में वेब सीरीज को लेकर उत्साह काफी बढ़ गया है। आश्रम में वैसे तो ज्यादातर वही पुराने कैरेक्टर हैं जो कि इसके पहले और दूसरे सीजन में थे, लेकिन तीसरे पार्ट में ईशा गुप्ता की भी एंट्री हो गई है, जिनके बारे में हम पहले आपको बता चुके हैं। आज हम बात करने जा रहे हैं इस वेब सीरीज के तीनों सीजन में नजर आने वाली अभिनेत्री त्रिधा चौधरी के बारे में।
प्रकाश झा की वेब सीरीज आश्रम के दोनों सीजन की सफलता के बाद इसके तीसरे सीजन का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हो गया है। दर्शकों को इसका ट्रेलर काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। इसे देखने के बाद लोगों में वेब सीरीज को लेकर उत्साह काफी बढ़ गया है। आश्रम में वैसे तो ज्यादातर वही पुराने कैरेक्टर हैं जो कि इसके पहले और दूसरे सीजन में थे, लेकिन तीसरे पार्ट में ईशा गुप्ता की भी एंट्री हो गई है, जिनके बारे में हम पहले आपको बता चुके हैं। आज हम बात करने जा रहे हैं इस वेब सीरीज के तीनों सीजन में नजर आने वालीत्रिधा चौधरी के बारे में। अभिनेत्री त्रिधा चौधरी आश्रम वेब सीरीज में बोल्ड लुक्स के लिए काफी चर्चा में रही हैं। वह अपने लुक्स को लेकर भी सुर्खियां बटोरती रहती हैं। इस तस्वीर में अभिनेत्री इस क्रिस्टल ड्रेस में बेहद हॉट लग रही हैं। इस ड्रेस के साथ उन्होंने मैचिंग इयररिंग्स से अपने लुक को कंप्लीट किया है। व्हाइट और ब्लैक रंग की बिकिनी में त्रिधा काफी हॉट लग रही हैं। इन तस्वीरों में त्रिधा गोल्डन रंग की बिकिनी और काले रंग की मोनोकनी में काफी ग्लैमरस लग रही हैं। बता दें कि त्रिधा आश्रम के अलावा करण मल्होत्रा की एक्शन ड्रामा फिल्म शमशेरा में भी नजर आने वाली हैं।

अजब-गजब | इस मंदिर में रोज होता है चमत्कार

माता के इस मंदिर में पुजारी के आने से पहले देवी मां को चढ़े मिलते हैं ताजे फूल

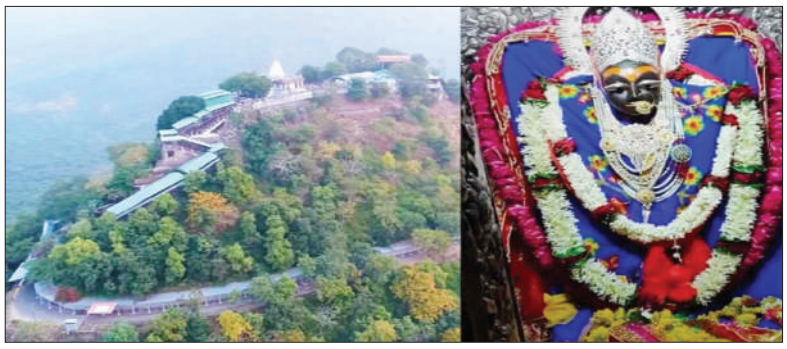

भारत मंदिरों का देश है। यहां अनेकों ऐसे मंदिर हैं जो रहस्यमयी और चमत्कारी माने जाते हैं। कई मंदिरों में तो भक्तों को ऐसे चमत्कार देखने को मिलते हैं, जिन पर यकीन करना मुश्किल होता है। इन मंदिरों में होने वाली घटनाओं के पीछे के रहस्य आज भी सभी के लिए अनसुलझे ही हैं। इन्हीं में से एक मंदिर हैं मैहर में स्थित मां शारदा का शक्तिपीठ। मैहर का शारदा मंदिर देवी के 51 शक्तिपीठों में से एक है। कहा जाता है कि यहां माता सती का हाथ गिरा था। यह मंदिर त्रिकूट पर्वत की चोटी पर है। कहा जाता है कि पर्वत की चोटी पर बने इस मंदिर में जो भी भक्त सच्चे मन से माता के दर्शन करने जाते हैं, उनकी हर मनोकामना पूरी होती है।

हर रोज होता है चमत्कार

यह मंदिर काफी चमत्कारी है। इस मंदिर में रोज एक चमत्कारिक घटना होती है। रात को मंदिर के पट बंद होने के बाद पुजारी भी पहाड़ के नीचे चले जाते हैं। रात के समय इस मंदिर में कोई नहीं रहता लेकिन अगले दिन सुबह पुजारी के आने से पहले देवी मां के सामने ताजे फूल चढ़े हुए मिलते हैं। ऐसा माना जाता है कि देवी को ये ताजा फूल वीर योद्धा आल्हा और ऊदल चढ़ाकर जाते हैं।

ऐसी है मान्यता

इस मंदिर के बारे में ऐसी मान्यता है कि आल्हा और ऊदल अदृश्य होकर रोज माता की पूजा करने के लिए मंदिर में आते हैं। इन दोनों योद्धाओं ने ही इस घने जंगल में पर्वत पर स्थित मां शारदा के पावन धाम की खोज की थी और यहां 12 साल तक तपस्या की थी। कहा जाता है कि इनकी कड़ी तपस्या से मां शारदा ने प्रसन्न होकर उन्हें अमर रहने का वरदान दिया था।

जीभ काटकर चढ़ा दी थी मां को!

साथ ही इस मंदिर के बारे में एक कथा और प्रचलित है कि आल्हा और ऊदल ने देवी मां को प्रसन्न करने के लिए अपनी जीभ काटकर उन्हें अर्पित कर दी थी। तब मां ने उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर उनकी जीभ फिर से जोड़ दी थी। इस मंदिर में मां के दर्शन करने के लिए 1001 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। हालांकि पिछले कुछ सालों से यहां रोपवे सुविधा भी शुरू हो चुकी है।

यहां नहीं चलता कोई कानून, लोगों को साल-दिन-महीने से भी नहीं है मतलब!

आप शायद ही किसी ऐसी जगह के बारे में जानते होंगे, जहां कोई नियम-कानून ही न चलता हो। न तो यहां किसी को रहने के लिए किराया-भाड़ा देना पड़ता हो, न ही कोई टैक्स चुकाना पड़ता हो। आज हम आपको एक ऐसी ही जगह के बारे में बताएंगे, जो धरती की Lawless City मानी जाती है। यहां रहने वाले लोग किसी भी तरह के बंधन में नहीं बंधे हैं, वे पूरी तरह आज़ाद हैं। एक टीवी चैनल के होस्ट बेन फोगले ने अपने कार्यक्रम में इस जगह के बारे में बताया। वे खुद इस जगह पर गए और स्लैब सिटी के बारे में बताया। अमेरिका के कैलिफोर्निया में मौजूद इस जगह पर कोई नियम-कानून काम नहीं करता और न ही सरकार नाम की कोई चीज़ है। यहां पर ज्यादातर वही लोग मौजूद हैं, जो कानून से बचना चाहते हैं या फिर वे किसी मानसिक समस्या से पीड़ित हैं। इस जगह पर बंदूकें और ड्रग्स आम बात हैं क्योंकि इन्हें कोई रोकने वाला नहीं है। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक चैनल 5 के लिए डॉक्यूमेंट्री बना रहे बेन फोगले इस शहर में पहुंचे थे। उनका कहना है कि रेगिस्तानी इलाके में बने इस शहर में न तो पानी की कोई व्यवस्था है और न ही गैस और बिजली की। दूसरे विश्व युद्ध के वक्त अमेरिकी सैनिकों ने ट्रेनिंग के लिए ये जगह बनाई थी, जिसे साल 1956 में तोड़ दिया गया था। ये मलबे में तब्दील हो गई जगह थी, जिसे धीरे-धीरे घुमक्कड़ों और पूर्व सैनिकों ने रहने की जगह बना ली। यहां रहने वाले लोग सामाजिक रूप से दुनिया से कटे हुए हैं। बेन फोगले के मुताबिक इस जगह को लोगों को दुनिया से कुछ लेना-देना ही नहीं है। उनके पास न तो कोई घड़ी है, जिससे वे समय देख सकें, न ही कोई कैलेंडर, जिससे उन्हें दिन-साल या महीना पता चल सके। वे टीवी भी नहीं रखते, जिसेस उन्हें दुनिया की खबर लग सके। उनका जैसा मन होता है, वैसे घूमते-टहलते रहते हैं। कई लोग तो अजीबोगरीब कपड़े पहने रहते हैं। कई लोग ऐसे हैं, जो यहां अपराध करके भाग आए हैं, तो कुछ लोग वो करने यहां आते हैं, जो आम दुनिया में वे नहीं कर सकते। कुल मिलाकर उनकी दुनिया आज़ाद है, लेकिन कानून न होना यहां की सबसे बड़ी कमी है।

भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण बढ़ा बिजली संकट : अखिलेश

» बिजली कटौती से उद्योग धंधे हो रहे प्रभावित, आम आदमी परेशान

» अबाध विद्युत आपूर्ति के दावे की खुल गयी है पोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश इन दिनों गर्मी की भीषण तपिश में झुलस रहा है। बिजली व्यवस्था बेपटरी होने से जहां गांव, कस्बों और शहरों में जनजीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त है वहीं उद्योग धंधे भी प्रभावित हो रहे हैं। कई इलाकों में जल संकट से हालात ज्यादा बिगड़ गए हैं। पहले से ही यह चेतावनी मौसम वैज्ञानिक दे चुके थे कि इस वर्ष गर्मी का ताप बहुत बढ़ेगा लेकिन भाजपा सरकार ने इस आपात स्थिति के समाधान पर ध्यान नहीं दिया। भाजपा सरकार और ऊर्जा मंत्री बयानों के बल पर ही गवर्नेंस का नाटक करते रहे। बिजली-पानी संकट के समाधान पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के तीन करोड़ से ज्यादा विद्युत उपभोक्ताओं की मांग 6 करोड़ 60 लाख किलोवाट की है लेकिन 132 किलोवाट विद्युत सब स्टेशनों की क्षमता मात्र 5 करोड़ 21 लाख किलोवाट की है। सरकार मांग और आपूर्ति के बढ़ते अन्तर के बावजूद लापरवाह बनी हुई है। जनता को इस तरह जानबूझकर गर्मी की आग में तपने के लिए भाजपा सरकार ने छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार और प्रदेश शासन की अकर्मण्यता का हाल यह है कि गोरखपुर में ही बड़ी संख्या में बिजली उपभोक्ता अघोषित कटौती से जूझ रहे हैं, घरों के नलों में जल नहीं होने के कारण कई मोहल्लों के लोग खरीद कर पानी पीने को मजबूर है। मेरठ में 200 हैण्डपम्प खराब पड़े हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की पर्याप्त और अबाध बिजली देने की घोषणाओं की पोलपट्टी खुल चुकी है। अघोषित बिजली कटौती से जनता बेहाल है। लखनऊ में बिना सूचना बत्ती गुल होने से तमाम इलाकों में हाहाकार मचा हुआ है। कुछ इलाकों में तो कई-कई दिन तक बिजली नहीं आती है। भाजपा सरकार की कुनीतियों के चलते बिजली संकट तो पैदा हुआ ही है भाजपा सरकार की संकीर्ण मानसिकता और बदले की भावना के चलते प्रदेश के हालात बिगड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सपा सरकार में बिजली उत्पादन बढ़ाने के गंभीर प्रयास हुए थे। भाजपा सरकार ने एक भी यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं किया है। जनता की सुख सुविधा और मनोरंजन के लिए समाजवादी सरकार ने गोमती रिवरफ्रंट बनाया था उसको भी भाजपा सरकार ने बर्बाद कर दिया है। करोड़ों का म्यूजिकल फाउंटेन कंटेनरों से बंद पड़ा हैं। सप सरकार में जहां जगमगाता था गोमती रिवर फ्रंट अब वहां भाजपा सरकार ने अंधेरे का जाल फैला दिया है।

मरीज की मौत के बाद भड़के परिजन चिकित्सक व स्टाफ से मारपीट

» अस्पताल में की तोड़-फोड़, सीएमओ को भेजी गयी रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। जिला अस्पताल में मंगलवार की देर रात इमरजेंसी में आए एक मरीज की मौत हो गई। इसके बाद मृतक के स्वजन ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान परिजनों ने चिकित्सक और स्टाफ की पिटाई भी कर दी। वहीं अस्पताल में तोड़फोड़ की। सूचना पर पुलिस पहुंची और स्थिति को संभाला। अस्पताल प्रशासन ने पूरे प्रकरण की रिपोर्ट सीएमओ व अपर निदेशक स्वास्थ्य को भेजी है।

नगर कोतवाली के उम्मेदजोत नई सिरिया निवासी संदीप की तबीयत मंगलवार की रात को खराब होने पर स्वजन उसे बेहोशी की हालत में लेकर जिला अस्पताल की इमरजेंसी पहुंचे। जांच में पाया गया कि वह दो महीने से बीमार है। जिसका इलाज चल रहा था। इमरजेंसी मेडिकल आफीसर डा. दीपक सिंह ने मरीज को देखने के बाद स्वजन को बताया कि मरीज की हालत काफी गंभीर है। भर्ती प्रपत्र पर स्वजन को लिखकर यह जानकारी भी दी गई। मरीज का इलाज चल ही रहा था कि पांच मिनट के भीतर ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद भड़के स्वजन ने इमरजेंसी मेडिकल आफीसर के साथ ही फार्मासिस्ट राजकुमार चौधरी, ट्रेनी फार्मासिस्ट शुभम गुप्ता, सहायक विशाल व बजरंगी के साथ मारपीट शुरू कर दी। यह देख कर्मियों ने इमरजेंसी से भागकर जान बचाई। नाराज स्वजन ने इमरजेंसी कक्ष में भी तोड़फोड़ की। जिला अस्पताल की प्रमुख अधीक्षिका डा. इंदूबाला ने बताया कि प्रकरण जानकारी में है। पूरे मामले की रिपोर्ट सीएमओ व अपर निदेशक स्वास्थ्य को भेजी गई है।

फोटो :4 पीएम

उद्घाटन लखनऊ। भारत का पहला ई-इलेक्ट्रिक स्मार्ट मोबिलिटी हब राजधानी के निशातगंज में गुड्स ई व्हीलर्स के नाम से खुला। इसका उद् घाटन मंगलवार को अतिरिक्त परिवहन आयुक्त वी.के. सोनकिया ने किया। इस मौके पर गुड्स ई-व्हीलर्स के प्रोपराइटर एनयू आलम, ई-व्हीलर्स मोबिलिटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक-सीईओ वासु देवा रेड्डी बीराला, स्वाति कुमार, धीरज गुप्ता आदि उपस्थित थे।

हादसे में तीन की मौत, 16 घायल

पांच की हालत नाजुक, ट्रामा सेंटर रेफर, पुलिस कर रही पड़ताल

» बारात में शामिल होकर लौट रहे थे स्कॉर्पियो सवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भदोही। चौरी थाना इलाके के कोल्हड़ हनुमान मंदिर के पास वाराणसी-भदोही मार्ग पर मंगलवार की रात करीब दो बजे बारातियों से भरी एक स्कॉर्पियो और सामने से आ रहे ट्रक की टक्कर हो गई। हादसे में स्कार्पियो सवार दो महिलाओं सहित तीन की मौत हो गई जबकि स्कॉर्पियो में सवार 16 लोग घायल हो गए। सभी को भदोही के महाराजा बलवंत सिंह चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। वहां हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने पांच घायलों को ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

चौरी क्षेत्र के अमवा खुर्द गांव से ज्ञानपुर के भीदीउरा गांव में बारात गई थी। महिलाएं और बच्चे एक स्कार्पियो में सवार होकर गई थीं। बारात में शामिल होने के बाद सभी स्कार्पियो से ही वापस लौट रहे थे। जैसे ही कोल्हड़ हनुमान मंदिर के पास चौरी बाजार में पहुंचे थे तभी सामने से आ रहे एक ट्रक से स्कार्पियो की टक्कर हो गई। हादसे में सुमन देवी (35), सोनम देवी (32) दोनों निवासी अमवा और चालक रंजीत (32) निवासी पकरी की मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल ममता, किरन, नगीना, सोनी और अंशु को डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। पुलिस के अनुसार स्कार्पियो में बच्चों की संख्या ज्यादा थी। कुल 18 लोग सवार थे। चौरी थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि घटना में तीन की मौत हुई है जबकि पांच को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है। अन्य को हल्की चोट लगने के कारण स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तो साफ्ट हिंदुत्व की ओर बढ़ रही कांग्रेस!

» क्या संकेत दे रहा प्रमोद कृष्णम का बयान

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

लखनऊ। अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम का बयान आया है कि ताजमहल और कुतुबमीनार को हिंदुओं को सौंप देना चाहिए। बड़ा सवाल यह है कि गंगा-जमुनी तहजीब की ब्रांड मानी जाने वाली कांग्रेस पार्टी साफ्ट हिंदुओं की ओर क्यों बढ़ रही है? क्या कांग्रेस एक और ऐतिहासिक भूल कर रही है? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार शीतल पी सिंह, सतीश के सिंह, समीरात्मज, सुशील दुबे, चिंतक सीपी राय और पत्रकार अभिषेक कुमार के बीच लंबी परिचर्चा चली।

शीतल पी सिंह ने कहा कि प्रमोद कृष्णम का जो बयान है यह कांग्रेस की पुरानी परंपरा है। राहुल गांधी प्रगतिशील बातें करते हैं लेकिन फिर कुछ लोग उनको कोट पर जनेऊ पहना देते है और मंदिर-मंदिर दर्शन करवाते है। सीपी राय ने कहा कि अगर सिद्धात कसौटी पर कसे नहीं है और उनको पूरा करने का आपके पास संकल्प नहीं है तो आप अच्छे राजनेता नहीं हो सकते। वह विचलन आज दिखाई दे रहा है। सतीश के. सिंह ने कहा सिद्धात, आदर्श और वास्तविकता की बात अलग-अलग है। क्या जातिवादी, समाजवादी पार्टियों ने सेक्युलरिज्म के नाम पर जातीयता नहीं की। उन्होंने उसी निरंकुशता से बहुत छोटे चश्मे से देखकर वोट की राजनीति की। वास्तविकता का ही ये फायदा उठा रहे हैं। सुशील दुबे ने कहा, इस देश के डिजाइनर प्रधानमंत्री ने बाहुबली स्टाइल में जब राम मंदिर का शिलान्यास किया था तो वहां पर हमारे देश के चारों में से एक भी शंकराचार्य नहीं थे। प्रमोद त्यागी युवा कांग्रेस के जमाने में ठीक-ठाक नेता होते थे प्रदेश युवा कांग्रेस के महामंत्री थे।

समीरात्मज ने कहा, प्रमोद कृष्णम और कांग्रेस की बात की जाए तो पिछले कई साल से बीजेपी में जब से मोदी युग शुरू हुआ है कांग्रेस पार्टी और उत्तर भारत की दूसरी विपक्षी पार्टियां भी दुविधा में है। ये तय नहीं कर पा रहे है कि हम जो पहले अपनी राजनीति कर रहे थे उस पर चले या फिर सॉफ्ट हिंदुत्व की राजनीति करें या सॉफ्ट को छोड़कर बिलकुल आक्रामक स्तर पर उतर आए जैसे बीजेपी कर रही है।

कानपुर में रफ्तार का कहर, चार की मौत

पानी टैंकर में पीछे से टकराई कार, परखच्चे उड़े, औरैया से कानपुर जा रहे थे कार सवार, टैंकर चालक फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर देहात। कानपुर के इटावा हाईवे पर आज बड़ा हादसा हो गया। अकबरपुर में हाईवे पर पानी के टैंकर में कार पीछे से टकरा गई। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद हाईवे की एक लेन पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर कार सवारों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया और यातायात सामान्य कराया। अस्पताल में चारों लोगों को डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद टैंकर लेकर चालक फरार हो गया।

तिलक नगर औरैया निवासी अजहर अली कार से अपने औरैया निवासी साथियों राजू, मयंक व अरविंद के साथ औरैया से कानपुर जा रहे थे। अकबरपुर कस्बे के शोरूम के सामने एनएचएआई का टैंकर डिवाइडर में लगे पौधों में पानी डाल रहा था। उसी दौरान तेज रफ्तार कार टैंकर में पीछे से टकरा गई। हादसे में कार सवार चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस ने घायलों को कार से निकालकर एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। इमरजेंसी वार्ड में मौजूद चिकित्सक ने चारों लोगों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद टैंकर लेकर चालक फरार हो गया। कोतवाल विनोद पांडेय ने बताया कि घटना में चार लोगों की मौत हो गई है। उनके पास मिले मोबाइल से नंबर निकालकर स्वजन को सूचना दी गई है।

» हादसे के बाद इटावा हाइवे पर लगा जाम

स्कूल का गेट ढहने से छात्रा की मौत, एक घायल

अस्पताल में चल रहा है इलाज

प्रतापगढ़। जनपद के विकास खंड कुंडा के बानेमऊ प्राथमिक स्कूल का जर्जर गेट गिरने से कक्षा तीन की छात्रा वंदना की मौत हो गई जबकि एक और बालक ऋषभ जख्मी हो गया। बानेमऊ गांव निवासी अशोक कुमार चंडीगढ़ में रहकर चाय-नाश्ते की दुकान चलाते हैं। यहां घर पर उनकी पत्नी अमरावती देवी तीन बेटियों रेनू, रंजना और वंदना तथा दो बेटों संदीप और प्रदीप के साथ रहती हैं। अशोक की एक बेटी नौ वर्ष की वंदना गांव के ही प्राथमिक विद्यालय में कक्षा तीन की छात्रा थी। आज सुबह गांव के कुछ बच्चे विद्यालय पहुंचे। वे विद्यालय का गेट पकड़कर झूलने लगे। इसी बीच विद्यालय का गेट पिलर के साथ भरभरा कर गिरने लगा तो अन्य बच्चे भाग निकले जबकि वंदना मलबे की चपेट में आ गई। वह गंभीर रूप से घायल हो गई। बहन के साथ स्कूल आया एक बालक ऋषभ भी घायल हो गया। ग्रामीण स्वजनों के साथ गंभीर रूप से घायल वंदना को लेकर सीएचसी कुंडा पहुंचे जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फोटो: सुमित कुमार

निरीक्षण लखनऊ में अतिक्रमण के खिलाफ खुद डीएम अभिषेक प्रकाश और पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने मोर्चा संभाल लिया है। आज दोनों अधिकारियों ने चारबाग में सड़क किनारे हुए अतिक्रमण को हटवाए जाने के बाद जिला प्रशासन व नगर निगम के अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण किया।

सपा नेता सबीह हैदर की पांच संपत्तियां कुर्क

» गैंगस्टर एक्ट में की गयी कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कौशांबी। सपा नेता सबीह हैदर उर्फ मीनू की मंझनपुर और पाता में स्थित पांच संपत्तियां आज प्रशासन और पुलिस द्वारा कुर्क की गई। सबीह हैदर सपा नेता आजम खां का करीबी है। उसकी एक करोड़ रुपये से ज्यादा की इन संपत्तियों को कुर्क करने के बाद मौके पर बोर्ड लगा दिया गया है। कार्रवाई एसडीएम सदर प्रखर उत्तम के नेतृत्व में की गई। जिला मजिस्ट्रेट के निर्देश पर गैंगेस्टर एक्ट के तहत यह कार्रवाई की गई। पांचों संपत्तियां तहसीलदार मंझनपुर की अभिरक्षा में दे दी गई हैं।

मंझनपुर नगर पंचायत (अब नगर पालिका) के पूर्व चेयरमैन सबीह हैदर पुत्र रजा हैदर के खिलाफ मंझनपुर समेत अन्य थानों में 14 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इन मुकदमों में गुंडा और गैंगस्टर एक्ट के अलावा कत्ल की कोशिश, जान से मारने की धमकी, बलवा, मारपीट, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के केस हैं। सरकारी काम में बाधा और सरकारी अधिकारियों से मारपीट का भी मुकदमा है। सबीह के खिलाफ मुकदमे 2005 से 2018 के बीच लिखे गए। गैंगस्टर के मुकदमे में पुलिस एक्शन ले रही है। उसके गिरोह में सगे भाई मोहम्मद मेहंदी, मोहम्मद औन, सलमान हैदर शेरू हैदर को पुलिस ने शामिल बताया है। इन सभी के खिलाफ भी गैंगस्टर, मारपीट, धमकी, बलवा के कई मुकदमे दर्ज हैं। इन मुकदमों की वजह से ही पुलिस ने सबीह और उसके चार भाइयों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट का केस लिखकर संपत्ति कुर्क करने की यह कार्रवाई की है।

बहराइच में बाघ के हमले से वृद्ध की मौत, गांव में हड़कंप

बहराइच (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। थाना सुजौली क्षेत्र में कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के कतर्नियाघाट रेंज अंतर्गत नेपाल बार्डर से सटे बर्दिया गांव में आज सुबह 10 बजे गांव के किनारे मवेशी चराने गए वृद्ध देशराज (65) पुत्र पाटन पर बाघ ने हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना से गांव में हड़कंप मच गया। घटना आम्बा गांव निवासी बाबूराम के खेत के पास की है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में बर्दिया गांव में बाघ के हमले से करीब एक दर्जन घटनाएं हो चुकी हैं लेकिन वन विभाग ने ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। मौके पर पंहुचे हलका लेखपाल हेमंत श्रीवास्तव, रवि वर्मा व अरुण सिंह ने बताया कि मृतक के दो पुत्र थे, जिसमें एक पुत्र की पहले आकस्मिक मौत हो चुकी थी। अब परिवार की जिम्मेदारी रमेश के कंधों पर आ चुकी है। लेखपाल ने बताया कि कागजी कार्रवाई के बाद परिवार को मुआवजा दिलाया जाएगा।

बागपत में नलकूप मिस्त्री की हत्या से सनसनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बागपत। नलकूप मिस्त्री की धारदार हथियार से हत्या कर दी गयी। संपर्क मार्ग पर मिस्त्री का शव मिला है। पुलिस का दावा है कि शराब पीते समय विवाद होने पर एक नलकूप के स्वामी ने मिस्त्री का कत्ल किया। आरोपी युवक को हिरासत में लिया गया है।

ग्राम सुन्हैड़ा निवासी 45 वर्षीय अमरपाल पंवार पुत्र महावीर सिंह नलकूप मिस्त्री थे। उसका आज लहूलुहान अवस्था में शव काठा-बंदपुर संपर्क मार्ग पर ग्राम काठा के पास पड़ा था। मिस्त्री अमरपाल के चचेरे भाई दीपक ने बताया कि तहेरे भाई अमरपाल को नलकूप ठीक कराने के लिए ग्राम काठा निवासी युवक अभिषेक मंगलवार शाम अपने साथ ले गया था, लेकिन अमरपाल वापस घर नहीं लौटे। उधर कोतवाली प्रभारी ओमप्रकाश सिंह का कहना है कि आरोपित युवक अभिषेक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने मिस्त्री अमरपाल की हत्या करना स्वीकार किया।

अब गरमाया श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मामला, कोर्ट पहुंची हिंदू महासभा

» शाही ईदगाह में लड्डू गोपाल के अभिषेक की मांगी इजाजत एक जुलाई को सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद विवाद के तूल पकड़ने के बाद अब मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि व शाही ईदगाह का मामले में नया मोड़ आ गया है। यहां अखिल भारतीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश कौशिक ने शाही ईदगाह में लड्डू गोपाल के अभिषेक की इजाजत को लेकर सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल किया है। कोर्ट ने उनकी याचिका स्वीकार करते हुए सुनवाई के एक जुलाई की तारीख तय की है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में दायर सभी याचिकाओं में 13.37 एकड़ भूमि को कब्जा मुक्त कराए जाने की प्रार्थना की गई है। हिन्दू महासभा की याचिका पहली याचिका है, जिसमें शाही ईदगाह में लड्डू गोपाल के जलाभिषेक की मांग की गई है। अखिल भारत हिंदू महासभा ने इससे पहले 6 दिसंबर 2021 को शाही ईदगाह में लड्डू गोपाल के जलाभिषेक का ऐलान किया था। हालांकि प्रशासन की सख्ती के कारण हिंदू महासभा जलाभिषेक करने में कामयाब नहीं हो सकी थी।

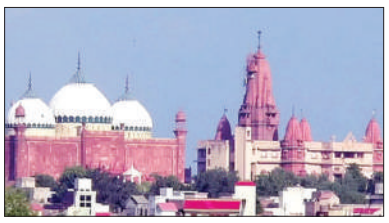

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।